हिन्दुस्तानी

(त्रैमासिक शोध पत्रिका)

SALTOC Project
Title: Hindustānī
Imprint: Ilāhābāda : Hindustāni Ekeḍemi
OCLC: 1752083
Volume 68 number 1 (Jan-Mar 2007)
TOC Supplied by: Center for Research Libraries

भाग - ६८
अंक - १

जनवरी - मार्च
सन् - २००७

प्रधान सम्पादक

डॉ० योगेन्द्र प्रताप सिंह

सम्पादक

डॉ० अनिल कुमार सिंह

संयुक्त सम्पादक

डॉ० योगेश्वर तिवारी

डॉ० हर्ष कुमार

सहायक सम्पादक

ज्योतिर्मयी

हिन्दुस्तानी एकेडेमी

इलाहाबाद

मूल्य : ३० रुपये

वार्षिक : १२० रुपये

अनुक्रम

- सम्पादकीय /३
- आलेख
- औरंगजेब (१६५६ - १७०७) कालीन हिन्दी साहित्य - डॉ० अशोक कुमार चटर्जी एवं - डॉ० देवेश कुमार सिंह /४
- बौद्ध दर्शन में निवार्ण का स्वरूप - विनोद कुमार सिंह /१४
- उत्तर संरचनावाद और नरेश मेहता - डॉ० के०सुरेन्द्रन /१७
- रामस्वरूप चतुर्वेदी की इतिहास दृष्टि - डॉ० ज्ञानेन्द्रराम त्रिपाठी /२२
- वैदिकयुगीन अर्थव्यवस्था और मुद्रा - सत्तन कुमार सिंह /२७
- हिन्दी आलोचना : वर्तमान परिदृश्य - डॉ० उत्तम कुमार शुक्ल /३१
- प्रेमचन्द के उपन्यासों में लघु पात्रों की परिकल्पना - राहुल पाण्डेय /३६
- ऐतिहासिक दृष्टि से कौशाम्बी का साहित्यिक एवं सांस्कृतिक अध्ययन - सीमान्त प्रियदर्शी /४०
- कबीर की प्रासंगिकता की विवेचना - डॉ० विजय शंकर दुबे /४२
- मौर्यकाल में वस्त्र - उद्योग - सत्यप्रकाश श्रीवास्तव /४५
- प्रेमचन्द की कहानियों में लोक संस्कृति का विराट पक्ष - अंजनीकुमार सिंह /४७
- निराला की गद्य-शैली एवं उनके उपन्यास - डॉ० अंशुमान कुशवाहा /६३
- समकालीन नारी - लेखन में स्त्री - विमर्श - डॉ० मोहम्मद राशिद /६८
- रुद्र काशिकेय के गद्य साहित्य की विशिष्टताएँ - पंकज कुमार सिंह /७०
- रामकाव्य में नीतितत्व - अनिल कुमार पाठक /७४
- भारतीय संस्कृति के पोषक एवं उद्‌गाता - प्रसाद - सुरेन्द्र प्रकाश तिवारी /८२
- प्रेमचन्द के उपन्यासों में स्वतन्त्रता आन्दोलन एवं गांधीवाद का प्रभाव - आराधना सिंह /८७
- कविवर ईशदत्त शास्त्री श्रीश के काव्य में राष्ट्रीय चेतना - अनुराधा यादव /९५
- सत्य - एक विचार विमर्श - रागिनी /१०१
- वर्तमान परिप्रेक्ष्य में गुरुदेव रवीन्द्र नाथ टैगोर की शैक्षिक अवधारणा की प्रासंगिकता - राकेश मणि पाण्डेय /१०४
- हीर (वारिस) - डॉ० गुरमीत सिंह /१०८
- संस्कृत साहित्य में गद्य शब्द की निष्पत्ति - डॉ० प्रियंका सिंह /११२
- नल कथानक का उद्‌भव - अरुण कुमार त्रिपाठी /११५
- रचनाकारों के पते /१२०

❑❑